www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 79 | जौनपुर, बुधवार, 04 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

ट्रंप की चुनावी हार पर अभिजीत दिपके का ज्ञानेश कुमार पर तंज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बीच भारत में भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के चुनावी प्रदर्शन को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तंज कसते हुए लिखा, श्ज्ञानेश कुमार ट्रंप के साथ ऐसा कभी नहीं होने देते।शदिपके का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी कई अहम सीटों पर बढ़त और जीत दर्ज कर रही है। अपने पोस्ट में उन्होंने केवल चुनावी नतीजों पर टिप्पणी नहीं की, बल्कि दुनिया भर में मजबूत नेता की राजनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाए।अभिजीत दिपके ने अपने पोस्ट में लिखा कि 2010 के बाद दुनिया में श्मजबूत नेताश यानी स्ट्रॉन्गमैन वाली राजनीति के प्रति आकर्षण बढ़ा। लोगों को यह समझाने की कोशिश की गई कि लोकतंत्र विकास की गति को धीमा करता है और एक शक्तिशाली नेता उनकी सभी समस्याओं का समाधान कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस सोच के चलते लोगों ने ऐसे नेताओं पर भरोसा किया, जो खुद को लोकतांत्रिक संस्थाओं से ऊपर मानते थे। इन नेताओं ने देश को महान बनाने, आर्थिक समृद्धि लाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबदबा कायम करने के वादे किए।

राहुल गांधी पंजाब में चुनावी अभियान की करेंगे शुरुआत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में चुनावी हलचल तेज होने लगी है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज संगरूर जिले के फग्गूवाला गांव में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी इस रैली को आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए अपने अभियान की औपचारिक शुरुआत के तौर पर देख रही है।कांग्रेस ने रैली के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह कार्यक्रम पंजाब के विभिन्न मुद्दों को जनता के सामने उठाने और आगामी चुनावों के लिए संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।संगरूर मुख्यमंत्री भगवंत मान का गृह जिला माना जाता है। ऐसे में कांग्रेस की यह रैली राजनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है। पार्टी कानून–व्यवस्था, नशे की समस्या, बेरोजगारी और युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि राज्य में नशे और अपराध की घटनाओं को लेकर लोगों में चिंता बढ़ी है। वहीं आम आदमी पार्टी सरकार का कहना रहा है कि वह इन चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार कदम उठा रही है। ऐसे में रैली के दौरान इन मुद्दों पर राजनीतिक बयानबाजी तेज होने की संभावना है। पार्टी नेताओं के अनुसार, राहुल गांधी अपने संबोधन में पंजाब के युवाओं, किसानों और व्यापारियों से जुड़े विषयों पर भी बात कर सकते हैं।

आत्मज्ञान से मिलती है आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास, पीएम मोदी ने साझा किया संस्कृत सुभाषित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संस्कृत सुभाषित साझा किया, जिसमें आत्मज्ञान, अनुभव और विद्या के माध्यम से आंतरिक शक्ति, परम शांति और अमरत्व का संदेश दिया गया है। प्रधानमंत्री ने संस्कृत श्लोक, "प्रतिबोधविदितं मतममृतत्वं हि विन्दते। आत्मना विन्दते वीर्यं विद्यया विन्दतेऽमृतम्ध्" साझा किया है। इसका हिंदी भावार्थ है कि आत्मज्ञान से मनुष्य को आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास प्राप्त होता है। अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानना ही सच्चा ज्ञान है। अनुभव और विद्या के माध्यम से प्राप्त यह ज्ञान मनुष्य को मानसिक तनाव से मुक्त कर आत्मिक शांति की ओर ले जाता है। यही ज्ञान जीवन में परम शांति और



अमरत्व की अनुभूति का मार्ग प्रशस्त करता है। पीएम मोदी की ओर से साझा किया गया यह श्लोक केनोपनिषद के तृतीय खंड के द्वितीय अध्याय का चौथा मंत्र है। केनोपनिषद सामवेदीय शाखा का एक प्रमुख उपनिषद है। इस उपनिषद में ब्रह्म (परम सत्य) के स्वरूप पर चर्चा की गई है। इसमें यह समझाया गया है कि ब्रह्म को संसार की सामान्य वस्तुओं या इंद्रियों के विषयों की तरह नहीं जाना जा सकता, बल्कि वह हमारी हर चेतना और आंतरिक बोध का आधार है। इस श्लोक के माध्यम से बताया गया है कि ब्रह्म कोई बाहर की वस्तु नहीं है जिसे कहीं खोजा जाएय बल्कि हमारे भीतर होने वाले प्रत्येक ज्ञान, विचार और चेतना के हर स्तर पर जो द्रष्टा या साक्षी के रूप में विद्यमान है, वही सच्चा ब्रह्म है। जब व्यक्ति को हर अनुभूति में उस परम सत्य का बोध होता है, तब वह अज्ञान और मृत्यु (संसार–चक्र) से मुक्त हो जाता है। इसके माध्यम से बताया गया है कि संसार में मिलने वाली भौतिक वस्तुएं, पद या धन से प्राप्त बल नाशवान होता है।

देश को अस्थिर करने की साजिश बर्दाश्त नहीं – सीएम धामी

देहरादून, (एजेंसी)। भाजपा के ऑपरेशन रिजीम चेंजश स्टिंग ऑपरेशन को लेकर देशभर में सियासी घमासान तेज हो गया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस मामले पर कड़ा रुख अपनाया है। सीएम धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर भाजपा के आधिकारिक हैंडल से किए गए एक पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए साजिशकर्ताओं पर निशाना साधा। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पोस्ट में लिखा, प्लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर देश की शांति, सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक संस्थाओं को अस्थिर करने की किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। श्ऑपरेशन रिजीम चेंजश स्टिंग में राष्ट्र में अशांति फैलाने के कई गंभीर पहलुओं को उजागर किया गया है।ष्उन्होंने आगे लिखा कि देश की जनता सब समझती है। विरोध के नाम पर अराजकता फैलाने, पुलिस की छवि



धूमिल करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदनाम करने की कोशिशों का पर्दाफाश होना चाहिए। देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं से खिलवाड़ करने वालों को कानून के दायरे में जवाबदेह बनाना आवश्यक है। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट शेयर किया था, जिसमें ऑपरेशन रिजीम चेंज को देश को सुलगाने वाली साजिश का सबसे बड़ा खुलासा बताया गया था। भाजपा ने पोस्ट में लिखा था, ऑपरेशन रिजीम चेंज... देश को सुलगाने वाली साजिश का सबसे बड़ा बेनकाब।

अमित शाह से मिले संजय टंडन, चंडीगढ़ में संपत्ति हस्तांतरण की समस्याओं के समाधान की मांग

चंडीगढ़, (एजेंसी)। नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता संजय टंडन ने चंडीगढ़ से जुड़े कई मुद्दों, खासकर प्रतिशत आधार पर संपत्ति हस्तांतरण में लोगों को आने वाली परेशानी का मुद्दा उठाया।संजय टंडन ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय मंत्री शाह से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें चंडीगढ़ के निवासियों द्वारा श्प्रतिशत–आधारितश संपत्ति हस्तांतरण पर लगी पाबंदियों के कारण आ रही समस्याओं के बारे में अवगत कराया।भाजपा नेता ने कहा, ष्गृह मंत्री के साथ मेरी मुलाकात के बाद मुझे उम्मीद है कि चंडीगढ़ में प्रतिशत–आधारित संपत्ति हस्तांतरण के मुद्दे का कोई समाधान निकल आएगा।ष टंडन ने कहा कि निवासियों को प्रतिशत–आधारित संपत्ति हस्तांतरण में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मौजूदा पाबंदियों ने इस तरह के लेन–देन को



मुश्किल बना दिया है। उन्होंने कहा, ष्लोगों को अपने काम पूरे कराने के लिए अलग–अलग सरकारी विभागों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उन्हें बेवजह परेशानी हो रही है। यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले और उसके बाद चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा जारी आदेशों के कारण उठा है, जिसमें प्रतिशत–आधारित संपत्ति हस्तांतरण पर पाबंदियां लगा दी गई थीं।टंडन ने कहा, ष्मैंने गृह मंत्री (अमित शाह) को इस मामले की पूरी जानकारी दी और चंडीगढ़ के निवासियों को हो रही दिक्कतों के बारे में बताया। उन्होंने मुझे आश्वासन दियां

उल्लास–उमंग के पर्वों में न हो कोई अप्रिय घटना, सौहार्द और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता – सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। आगामी पर्व–त्योहार उल्लास, उमंग, आस्था और सामाजिक सौहार्द के प्रतीक हैं। इन अवसरों पर प्रदेश में सुरक्षा, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं की चाक–चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी अप्रिय घटना पर्वों के उल्लास में खलल न डाल सके। मंगलवार शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की कानून–व्यवस्था और आगामी त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने दो टूक कहा कि उत्सव के उल्लास को उपद्रव में बदलने की किसी भी साजिश को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अराजक व असामाजिक तत्वों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कठोरतम



कार्रवाई की जाए। दीपोत्सव, दीपावली, छठ और देव दीपावली के दृष्टिगत शासन से लेकर तहसील और थाना स्तर तक के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। साथ ही, सोशल मीडिया पर 24 घंटे पैनी नजर रखते हुए अफवाह फैलाने, भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने अथवा शरारतपूर्ण बयानबाजी से माहौल बिगाड़ने वालों पर त्वरित व प्रभावी विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। अयोध्या में 7 नवंबर को आयोजित होने वाले भव्य दीपोत्सव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा व सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि अंतरजनपदीय और स्थानीय स्तर पर सुगम यातायात प्रबंधन सुनिश्चित हो तथा रूट डायवर्जन प्लान पहले से तैयार कर जनसामान्य के बीच व्यापक रूप से प्रसारित किया जाए। प्रमुख मंदिरों और संवेदनशील धार्मिक स्थलों पर चौबीसों घंटे पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं। इनतेरस और दीपावली के दृष्टिगत मुख्य बाजारों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के आसपास 24×7 पुलिस निगरानी, सघन पैदल गश्त और सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

2047 के भारत निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम, उद्योग-शिक्षा की खाई पाटने की जरूरत - गुजरात सीएम

गांधीनगर, (एजेंसी)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बाजार की बदलती मांगों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु शिक्षा संस्थानों और उद्योगों के बीच घनिष्ठ समन्वय का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 2047 तक राज्य की प्रतिस्पर्धात्मकता युवाओं को दी जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल पर निर्भर करेगी। सीएम भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को अहमदाबाद में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन विकसित गुजरात 2047 भविष्य के कार्यबल की तैयारी के लिए उच्च शिक्षाश के समापन सत्र को संबोधित किया। पटेल ने कहा कि कुशल प्रतिभाओं का विकास और युवाओं की रोजगार क्षमता को मजबूत करना राज्य के विकसित गुजरात 2047



रोडमैप का केंद्रबिंदु होना चाहिए, जो राष्ट्रीय विजन विकसित भारत 2047 के अनुरूप है।यह सम्मेलन गुजरात स्टेट इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन (जीआरआईटी) द्वारा राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस पहल को समयोचित बताते हुए पटेल ने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाने के लिए भविष्योन्मुखी शिक्षा और तैयारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के रोडमैप को खुले दृष्टिकोण के साथ लागू किया जाना चाहिए, जिसमें सभी हितधारकों के सुझावों और सहयोग को ध्यान में रखा जाए ताकि परिणामोन्मुखी परिणाम सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा कि सरकार इस रोडमैप को लागू करने में लचीली है और हितधारकों के बहुमूल्य सुझावों के आधार पर उपयुक्त दृष्टिकोण अपनाने के लिए तत्पर है। पटेल ने कहा कि आज के युवा 2047 तक विकसित गुजरात और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आवश्यक कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। उन्होंने कहा कि बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप प्रासंगिक शिक्षा और कौशल के माध्यम से उनका विकास आने वाले वर्षों में गुजरात की प्रतिस्पर्धात्मकता निर्धारित करेगा।उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि प्रगति की समीक्षा करने और राज्य के विकास रोडमैप को स्पष्ट दिशा प्रदान करने के लिए हर तीन या छह महीने में इसी तरह के सेमिनार और चर्चाओं का आयोजन किया जाए।

राजस्थान सरकार ने गार्गी पुरस्कार योजना के तहत छात्राओं को बांटे 109 करोड़ रुपए

जयपुर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेटियां समाज और राष्ट्र की शक्ति हैं। जब लड़कियों को शिक्षा, अच्छे संस्कार, सम्मान और समान अवसर मिलते हैं, तो उनकी प्रगति से न केवल उन्हें बल्कि उनके परिवारों और पूरे समाज को लाभ होता है। उन्होंने कहा कि लड़कियों की शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने देश भर में लड़कियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाया है। राज्य सरकार भी लड़कियों को प्रगति के समान अवसर प्रदान करते हुए सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री मंगलवार को जयपुर के मानसरोवर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित प्रतिभा विकास शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने



रामायण पर आधारित एक ज्ञान परीक्षा का पोस्टर भी जारी किया। शर्मा ने कहा कि भारत की संस्कृति ने जीवन, मूल्यों और कर्तव्यों के बारे में अमूल्य शिक्षाएं प्रदान की हैं। इस समृद्ध विरासत, महान व्यक्तित्वों के आदर्शों और सांस्कृतिक मूल्यों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना वर्तमान पीढ़ी का दायित्व है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करना पर्याप्त नहीं हैय व्यक्तियों को अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि माता–पिता, बड़ों और परिवार के सदस्यों के प्रति आदर और सेवा भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएं बनी हुई हैं।

नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ की बैठक कर सड़क पेंटिंग कार्य समय से पूरा करने पर दिया जोर

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। दीपोत्सव के आयोजन से पूर्व अयोध्या की सड़कों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ सर्किट हाउस में बैठक की। उन्होंने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए महानगर क्षेत्र में सभी सड़क पेंटिंग का कार्य दीपोत्सव से पहले पूरा कराने के निर्देश दिए।बैठक में अधीक्षण अभियंता ओम प्रकाश वर्मा और अधिशासी अभियंता एसबी सिंह मौजूद रहे।



विधायक ने कहा कि दीपोत्सव के दौरान देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या पहुंचेंगे।ऐसे में शहर की सड़कों की बेहतर स्थिति और यातायात से जुड़ी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अयोध्या की प्रमुख सड़कों पर पेंटिंग का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा कराया जाए।इसमें सड़क की सफेद पट्टी, डिवाइडर मार्किंग और अन्य आवश्यक रोड मार्किंग के कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि दीपोत्सव के दौरान आवागमन सुगम और सुरक्षित रहे।विधायक ने कहा कि दीपोत्सव अयोध्या की वैश्विक पहचान से जुड़ा आयोजन है।इसकी तैयारियों में सभी विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी करने और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से सभी जिम्मेदारियां पूरी करने के निर्देश दिए।।

पीयूष गोयल ने आर्थिक साझेदारी बढ़ाने के लिए डेनमार्क के मंत्री के साथ की बातचीत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने डेनमार्क के व्यापार एवं प्रतिस्पर्धा मंत्री मार्टिन लिडेगार्ड से मुलाकात कर भारत–डेनमार्क द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों की पहचान करने पर जोर दिया। 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को गहरा करना और ऐसी साझेदारियां बनाना था, जिनसे दोनों पक्षों के व्यवसायों को लाभ हो। उन्होंने लिखा, "हमने भारत और डेनमार्क के बीच



द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और गहरा करने तथा आपसी लाभ वाली साझेदारियों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है।" लिडेगार्ड ने बैठक में बताया कि डेनमार्क की लगभग 250 कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और इनमें 1 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते से पहले ही निवेश को लेकर उत्साह दिख रहा है। कंपनियों से पूछे जाने पर 75 प्रतिशत ने जवाब दिया कि वे भारत में और अधिक निवेश करने जा रहे हैं। पीयूष गोयल ने व्यापार वार्ताओं के दौरान सदस्य देशों की चिंताओं और संवेदनशीलताओं का सम्मान करने के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा इस बात का ध्यान रखता है कि किसी भी देश की चिंताओं को नजरअंदाज न किया जाए। यह बैठक लिडेगार्ड की नई दिल्ली यात्रा के दौरान हुई। इससे पहले उन्होंने केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की थी। दोनों पक्षों ने ऑफशोर विंड एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।भारत और डेनमार्क के बीच नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर पवन ऊर्जा विकास और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में लंबे समय से साझेदारी रही है।

संपादकीय

अचानक आई आपदा नहीं

एनडीएमए के भीड़ प्रबंधन संबंधी दिशा–निर्देशों को धार्मिक आयोजनों के कर्ता–धर्ताओं ने शायद पढ़ने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी–खुशी के मौकों पर गम की कहानियों का लिखा जाना जारी है! कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पंडाल में मची भगदड़ के अगले ही दिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास दर्दनाक दुर्घटना हुई। कोलकाता में 19 और ग्वालियर में 15 श्रद्धालुओं की जान गई। हालांकि दो अलग जगहें हैं, दो घटनाएं हैं, और हादसों के शिकार पात्र अलग हैं, लेकिन दोनों दुर्घटनाओं में कई समान बातें हैं। बेशक, एक सड़क हादसा है, दूसरा भीड़ प्रबंधन की विफलता– लेकिन दोनों की जड़ में एक ही सच्चाई छिपी है कि धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा को लग्जरी मानने का नजरिया कायम है। ऐसा इसलिए है कि हर साल धार्मिक स्थलों पर ऐसे अनगिनत हादसे होने के बावजूद ना कोई सीख ली जाती है, और ना ही कोई प्रभावी जवाबदेही तय होती है। ग्वालियर में ट्रक उस सड़क पर पहुंच गया जहां नो एंट्री थी और दोपहिया वाहनों तक को रोका जा रहा था। ऐसे में बैरिकेड तोड़ कर ढलान से नीचे उतरते हुए ट्रक ने कैसे श्रद्धालुओं को कुचला, यह रहस्यमय है। पुलिस को मालूम था कि नवरात्रि में भारी भीड़ होगी, फिर भी वह पुख्ता इंतजाम करने में नाकाम रही। राहत कार्य का आलाम यह था कि पीड़ित परिवारों को खुद क्रेन किराए पर लेनी पड़ी, ताकि शव बाहर निकाले जा सकें। उधर कोलकाता के चोरबागान पंडाल में एक ही निकास था, गलियां संकरी थीं, अंदर अंधेरा था, और बारिश की स्थिति में लोगों को नियमित रूप से निकालने की व्यवस्था नहीं थी। आयोजकों की सुरक्षा संबंधी घोषणा और सुरक्षा गार्डों की सीटियों ने भगदड़ को और भड़का दिया। गौरतलब है कि यह कोई अचानक आई आपदा नहीं थी– बीते दिनों ही बैरिकेड कई बार टूट चुके थे, फिर भी अतिरिक्त तैयारियों की जरूरत नहीं समझी गई। हादसों के बाद की कहानी भी घिसीपिटी हैरू कुछ पुलिसकर्मियों का निलंबन, आयोजकों की गिरफ्तारी, मुआवजे की घोषणा और जांच आयोग का गठन। जबकि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में ही भीड़ प्रबंधन के दिशा–निर्देश तैयार किए थे। धार्मिक आयोजनों के कर्ता–धर्ताओं ने शायद उसे पढ़ने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी–खुशी के मौकों पर गम और दर्द की कहानियों का लिखा जाना जारी है!

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला

ललित

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक



के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49. 6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन–कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है। किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ–साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है। एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी–गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग–अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है। भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो। गरीबी–मुक्त भारत का सपना केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि रोजगार, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था के समन्वय से साकार होगा।

फिर भी संघ–भाजपा का राग घुसपैठिया जारी

मोहन

मोदीशाही के अंत की शुरूआत हो गयी है। 1 नवंबर की इंडिया ब्लाक समेत तमाम विपक्ष की रामलीला मैदान की विशाल रैली ने, बिगुल बजाकर मोदीशाही के अंत की शुरूआत का ऐलान किया है। देश भर में तेजी से लोगों की जुबान पर चढ़ते श्वोट चोरीश के नारे का मुकाबला करने की कोशिश में, संघ–भाजपा जोड़ी जिस तरह के न सिर्फ भोंथरे बल्कि बाकायदा पिटे हुए हथियारों का सहारा लेने पर मजबूर नजर आती है, वह एक प्रकार से अंत की इस शुरूआत का ही कबूलनामा है। जाहिर है कि लड़ाई में पिटे हुए हथियारों का सहारा लेना, मन से बाजी में हार मान लेने की ही निशानी होता है।घुसपैठियों के न सिर्फ घुस आने बल्कि छा जाने का सरासर झूठा सांप्रदायिक डर फैलाना ही वह पिटा हुआ हथियार है, जिसका मतदाता सूचियों से लेकर चुनाव संचालन तक, समूची चुनाव व्यवस्था में ईमानदारी यानी निष्पक्षता सुनिश्चित किए जाने से जुड़ी मांगों पर केंद्रित जन–आंदोलन के खिलाफ, संघ–भाजपा अपने मुख्य हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। जैसाकि अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है, मौजूदा निजाम के चाणक्य कहलाने वाले, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ही श्वोट चोरीश के खिलाफ जनतंत्र की परवाह करने वाली सभी शक्तियों तथा लोगों के व्यापक अभियान के खिलाफ, श्घुसपैठिया आया, घुसपैठिया आयाश को हथियार बनाने की शुरूआत की थी। इस व्यापक जन–लामबंदी में दरार डालने की कथित चाणक्य नीति आजमाने में ही अपनी सारी चतुराई लगाते हुए, अमित शाह ने छांटकर राहुल गांधी तथा कांग्रेस को निशाना बनाते हुए यह दावा किया था कि, वे श्घुसपैठियों को बचाने के लिएश ही एसआईआर में वोट कटने के वोट चोरी होने का झूठा शोर मचा रहे थे।

याद रहे कि इस तरह, एसआईआर के नाम पर करोड़ों की संख्या में, 2024 के आम चुनाव में मतदान करने वाले मतदाताओं के नाम काटे जाने को श्घुसपैठिया–विरोधी कार्रवाईश बताकर सही ठहराने की कोशिश, कोई साधारण राजनीतिक नेता नहीं कर रहा था बल्कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के गृहमंत्री के पद पर बैठा व्यक्ति कर रहा था। और यह दावा इसके बावजूद किया जा रहा था कि मोदाशाही के बारह साल से ज्यादा में संसद में पूछे गए प्रश्नों से लेकर, सूचना का अधिकार के तहत पूछे गए प्रश्नों तक के जवाब में, खुद गृह मंत्रालय द्वारा आधिकारिक रूप से बार–बार यह माना गया था कि सरकार के पास श्घुसपैठियोंश के संबंध में संख्या आदि की कोई ठोस जानकारी ही नहीं है!वास्तव में एसआईआर से भी पहले, संघ परिवार के सांप्रदायिक प्रचार से संचालित श्घुसपैठियोंश की अंधाधुंध खोज का, आम जनता के लिए ऐसा ही तकलीफदेह अभ्यास, असम में हुआ था। इसका नाम था, एनआरसी का अद्यतनकरण। याद रहे कि इस प्रक्रिया को मोदी–शाह की सरकार देश भर में लागू करना चाहती थी। अब चोर दरवाजे एसआईआर के नाम पर, वही खेल खेलने की कोशिश की जा रही है। और असम में एनआरसी का क्या हुआ? बेशक, बांग्लादेश से लगती हुई सीमा वाला राज्य होने के चलते, असम में 1971 में बांग्लादेश की स्थापना के दौर की उथल–पुथल के दौरान तथा उसके बाद भी, रोजी–रोटी की तलाश में बांग्लादेश से गरीब मजदूरों के आने का सिलसिला चलता रहा था। इसी मुद्दे को लेकर 1980 के दशक में असम में उग्र–बांग्लादेशी–विरोधी आंदोलन भी चला था, जिसका अंत 1985 के असम समझौते पर हुआ था। इसी समझौते के एक प्रावधान के आधार पर और भाजपा व संघ परिवार के अनवरत प्रचार के दबाव में तथा सुप्रीम कोर्ट के अनुमोदन से, भाजपा के राज में असम में एनआरसी कराया गया। हजारों करोड़ रुपए फूंक कर और सैकड़ों जानें कुर्बान करने तथा समूची जनता तथा खासतौर पर गरीब, अशिक्षित, सामाजिक रूप से कमजोर लोगों तथा महिलाओं को बेशुमार तकलीफों से गुजारने के बाद, एसआईआर की ही तरह नागरिकता–जांच की इस प्रक्रिया के अंत में, करीब 20 लाख असमवासियों की नागरिकता को श्संदिग्धश करार दिया गया था।लेकिन, अंत में जब यह सच सामने आया कि संघ के प्रचार और उसकी अपेक्षाओं के विपरीत, इस प्रक्रिया में अपनी नागरिकता साबित न कर पाने वालों में दो–तिहाई हिंदू ही थे, जबकि मुसलमान एक–तिहाई से भी कम थे, तो संघ परिवार को पल्टी मारने में देर नहीं लगी और भाजपा की राज्य सरकार ने सिर्फ एनआरसी को नामंजूर ही नहीं किया बल्कि एनआरसी कराने वाले उच्चाधिकारियों को तरह–तरह के मुकद्दमों में भी फंसा दिया। और इस तरह, यह पूरी कसरत सिर्फ इसलिए जनता के लिए अकारण मुसीबत बनकर रह गयी कि उसके नतीजे, घुसपैठियों के खतरे के संघ परिवारी प्रचार से मेल नहीं खाते थे। काफी हद तक ऐसा ही किस्सा, एसआईआर का रहा है, जिसके पीछे भी श्घुसपैठियों के खतरेश के बेतहाशा अतिरंजित संघ–भाजपायी प्रचार से बनी धारणाएं ही थीं। यह कोई संयोग ही नहीं है कि बिहार से 2025 के जून में जब एसआईआर की प्रक्रिया की शुरूआत हुई थी, तभी से न सिर्फ भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा और संघ कुनबे द्वारा नागरिकता जांच की ओर इशारा करने वाली इस प्रक्रिया की समूची डिजाइन की, विपक्ष की आलोचनाओं के सामने, यह कहकर हिमायत की जा रही थी कि यह मतदाता सूचियों को श्घुसपैठियोंश से शुद्घ करने के लिए जरूरी था बल्कि खुद चुनाव आयोग ने भी बाकायदा अपनी विज्ञप्ति में मतदाता सूचियों में श्विदेशी अवैध प्रवासियों के नामों की मौजूदगीश को, इस अभूतपूर्व कसरत का एक प्रमुख कारण बताया गया था। हैरानी की बात नहीं है कि जब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हुई, मीडिया और विपक्ष के भी बार–बार पूछने के बावजूद, चुनाव आयोग ने इस सरल से सवाल का जवाब देने से इंकार कर दिया कि जिन एक करोड़ से कुछ कम लोगों के नाम इस प्रक्रिया में मतदाता सूचियों से काटे गए थे, उनमें से कितने नाम विदेशी नागरिक होने के आधार पर काटे गए थे! वजह बहुत सरल थी। छरू करोड़ से ज्यादा मतदाताओं में ऐसे लोगों की संख्या 600 भी नहीं थी। उनमें भी नेपाली महिलाओं की संख्या ही ज्यादा थी, जिनका ससुराल बिहार में है। मुसलमानों की संख्या, पांचवां हिस्सा भी नहीं थी, जबकि संघ परिवार के आख्यान में तो श्घुसपैठियाश और मुसलमान समानार्थी ही हैं। यह दिलचस्प है कि उसके बाद से चुनाव आयोग ने तो एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक बार भी यह बताना गवारा नहीं किया है कि इस प्रक्रिया में कितने श्घुसपैठिएश पकड़े गए हैं, लेकिन संघ परिवार के इसी बहाने से मतदाता सूचियों की चुनाव आयोग द्वारा सत्ताधारी पार्टी के अनुकूल काट–छांट की हिमायत करने में, कोई कमी नहीं आयी है। अमित शाह, श्वोट चोरीश के आरोपों के सामने, इसी सिलसिले को आगे बढ़ा रहे थे।यह भी याद रहे कि अमित शाह द्वारा उक्त दावा इसके बावजूद किया जा रहा था कि तब तक, अब भी अधूरी एसआईआर की प्रक्रिया में, 2024 की मतदाता सूचियों में से 13 करोड़ 30 लाख से ज्यादा मतदाताओं के बाहर कर दिए ।

कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण

भारत को वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचाने में कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस तकनीक के माध्यम से औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में पहुंचने से पहले ही एकत्र किया जाता है। इसके बाद इसका उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जा सकता है या इसे जमीन के भीतर सुरक्षित रूप से भंडारित किया जा सकता है। इससे न केवल उत्सर्जन में कमी आएगी, बल्कि औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार इस क्षेत्र में ऐसा तंत्र विकसित करने पर काम कर रही है, जिसमें अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी उद्योगों को एक साथ लाया जा रहा है। देश के कई राज्यों में इस तकनीक से जुड़ी परियोजनाएं संचालित हैं, जबकि कुछ निर्माणाधीन और प्रस्तावित चरण में हैं। इन पहलों का उद्देश्य स्वदेशी कार्बन संग्रहण तकनीक, कार्बन के उपयोग और सुरक्षित भंडारण की क्षमता विकसित करना है। भारत की वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन की यात्रा के लिए ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन घटाना आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा से उत्सर्जन में काफी कमी लाई जा सकती है, लेकिन कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में अत्यधिक तापमान अथवा कार्बन आधारित कच्चे माल की आवश्यकता होती है। ऐसे उद्योगों का पूरी तरह विद्युतीकरण करना आसान नहीं है। कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण तकनीक इन क्षेत्रों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराती है। नीति आयोग ने इस्पात, सीमेंट, तेल एवं गैस, पेट्रोरसायन, रसायन और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन कम करने के लिए इस तकनीक को महत्वपूर्ण माना है। ये उद्योग औद्योगिक उत्सर्जन में बड़ा योगदान देते हैं और इनके उत्सर्जन को व्यापक स्तर पर कम करना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है। सीसीयूएस तकनीक मौजूदा संयंत्रों से उत्सर्जन घटाने के साथ आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन जारी रखने में भी मदद कर सकती है। इससे नई तकनीकों, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक क्षमताओं के विकास के अवसर भी पैदा होंगे। पहले चरण में औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली गैसों से कार्बन डाइऑक्साइड को अलग किया जाता है। इसके लिए विशेष संग्रहण प्रणालियों का उपयोग होता है। एकत्र की गई गैस को शुद्ध और सुखाने के बाद दबाव के साथ सघन रूप में तैयार किया जाता है, ताकि इसे आगे परिवहन या उपयोग के लिए भेजा जा सके। दूसरे चरण में संग्रहित कार्बन डाइऑक्साइड को उपयुक्त स्थान तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए सामान्यतरू पाइपलाइन का उपयोग किया जाता है। लंबी दूरी तक परिवहन के लिए जहाज और अन्य साधन भी उपयोगी हो सकते हैं। परिवहन का माध्यम दूरी, मात्रा, उपलब्ध बुनियादी ढांचे और गंतव्य के आधार पर तय किया जाता है। तीसरे चरण में एकत्र कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जाता है अथवा इसे जमीन के भीतर स्थायी रूप से भंडारित किया जाता है। इसका उपयोग खाद्य एवं पेय पदार्थ, यूरिया, हरित मेथनॉल, कंक्रीट और उन्नत तेल पुनर्प्राप्ति जैसी प्रक्रियाओं में किया जा सकता है। स्थायी भंडारण के लिए कार्बन डाइऑक्साइड को जमीन के काफी नीचे स्थित उपयुक्त भूगर्भीय संरचनाओं में पहुंचाया जाता है। इनमें समाप्त हो चुके तेल एवं गैस भंडार, गहरे खारे जल वाले भूस्तर और बेसाल्ट चट्टानों की संरचनाएं शामिल हैं। भारत में सीसीयूएस के विकास के लिए क्षेत्रीय केंद्रों और औद्योगिक समूहों की अवधारणा पर काम किया जा रहा है। इसके तहत कई औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को एकत्र कर साझा पाइपलाइन और परिवहन नेटवर्क के माध्यम से उपयोग अथवा भंडारण स्थलों तक पहुंचाया जा सकता है। नीति आयोग ने भारत के लिए इस केंद्र आधारित व्यवस्था को उपयुक्त माना है। इससे बड़े स्तर पर लागत कम करने, बुनियादी ढांचे से जुड़े जोखिम घटाने और कार्बन डाइऑक्साइड की उपलब्धता को संभावित मांग से जोड़ने में मदद मिल सकती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वर्ष 2025 के सीसीयूएस कार्ययोजना दस्तावेज में ऐसे औद्योगिक और भूगर्भीय क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां इस प्रकार के केंद्र विकसित किए जा सकते हैं। इनमें रिफाइनरी और रासायनिक उद्योगों की अधिकता वाला गुजरात का तटीय क्षेत्र, इस्पात और सीमेंट उद्योगों वाला ओडिशा–झारखंड क्षेत्र तथा तेल एवं गैस संसाधनों से जुड़ा पूर्वोत्तर भारत शामिल है। इस्पात, सीमेंट, रिफाइनरी, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों में उत्पादन प्रक्रिया के दौरान सीधे कार्बन डाइऑक्साइड निकलती है। केवल नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाली बिजली अपनाने से इन उत्सर्जनों को पूरी तरह समाप्त करना कठिन हो सकता है। उपलब्ध अनुमान के अनुसार, इन कठिन उद्योगों और ताप विद्युत उत्पादन से होने वाला उत्सर्जन वर्ष 2030 तक लगभग 2,300 मिलियन टन प्रतिवर्ष पहुंच सकता है।

लोकतंत्र बचाने के लिए जनता की ऐतिहासिक पहल

विवेक

मोदी हटाओ देश बचाओ। ज्ञानेश कुमार को सजा होगी। उसके बाद मोदी–शाह पर भी कानूनी कार्रवाई होगी। रामलीला मैदान बना हल्दीघाटी का मैदान। आज शकुनी अपना खेल खेल रहे हैं तो हमें कुरुक्षेत्र में उतरना पड़ रहा है। मुसलमानों ने इस देश के लिए खून दिया है, अभी भी दे रहे हैं और आगे भी देंगे, हमें पाकिस्तानी कहना बंद करना होगा। जिन्होंने राम मंदिर में चोरी की, वो वोट चोरी करके सरकार बना रहे हैं। ये तमाम पंक्तियां इंडिया ब्लॉक के अलग–अलग नेताओं के भाषण से ली गई है। सभी को मिलाकर पढ़ें तो लगेगा कि एक ही व्यक्ति ने वोट चोरी और भाजपा की लोकतंत्र खत्म करने की साजिश के खिलाफ कहा है, लेकिन हकीकत यही है कि कम से कम 10 अलग–अलग दलों के नेताओं के ये विचार हैं, जो एक जैसे लग रहे हैं। और यही मजबूत विपक्ष का मोदी सरकार के लिए बड़ा संदेश है।रविवार एक नवंबर को ये संदेश दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई ऐतिहासिक महारैली से निकला है। इस रैली को हर तरह से ऐतिहासिक कहा जा सकता है, क्योंकि भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद कम से कम 10 लाख लोग देश के अलग–अलग हिस्सों से इस रैली में शिरकत करने के लिए पहुंचे। दो दिन से दिल्ली का मौसम भी बिगड़ा हुआ था। तेज बारिश के कारण मैदान में कीचड़ और पानी भर चुका था। लेकिन कांग्रेस सेवा दल के लोगों ने गजब जज्बा दिखाते हुए इस कीचड़ को हटाने का काम किया। भाजपा ने व्यापारियों को भी आगे कर के पहले राहुल गांधी और फिर सोनिया गांधी को संदेश भिजवाया कि दीपावली पर व्यापार का नुकसान न होने दें। लेकिन राहुल गांधी ने शनिवार रात ही अपील की कि जो लोग रैली में शामिल होने आ रहे हैं, वे थोड़ी खरीदारी करके लौटें ताकि व्यापारियों का फायदा हो। राहुल की इस अपील से डरी भाजपा ने रैली से कुछ समय पहले ही कनॉट प्लेस की दुकानों को जबरन बंद करवा दिया। इसके अलावा भाजपा ने एक नवंबर को 1984 के सिख दंगों की याद दिलाते हुए कांग्रेस को घेरने के लिए अपने नेताओं से वक्तव्य दिलवाए। खुद गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब की अपनी सभा में कांग्रेस को सिख विरोधी दंगों के लिए घेरा। लेकिन ऐसा करते हुए भाजपा भूल गई कि 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 11 अगस्त को संसद (राज्यसभा) में सिख दंगों के लिए औपचारिक रूप से माफी मांगी थी। इस के ठीक एक दिन बाद, 12 अगस्त 2005 को उन्होंने लोकसभा में भी इस बयान को दोहराया था। संसद में नानावती आयोग की रिपोर्ट पर हो रही बहस के दौरान उन्होंने अपने ऐतिहासिक भाषण में कहा था– श्मुझे सिख समुदाय से माफी मांगने में कोई संकोच नहीं है। मैं न केवल सिख समुदाय से, बल्कि पूरे भारतीय राष्ट्र से माफी मांगता हूं, क्योंकि 1984 में जो कुछ भी हुआ वह हमारे संविधान में निहित राष्ट्रवाद की अवधारणा के खिलाफ था। श्राहुल गांधी ने भी इन दंगों के लिए कई बार माफी मांगी थी। हाल ही में पिछले साल मई में अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान जब एक सिख छात्र ने उनसे सिख विरोधी दंगों पर सवाल पूछा, तो राहुल गांधी ने कहा– श्जब कांग्रेस से कई गलतियां हुईं, तब मैं राजनीति में नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी द्वारा जो कुछ भी गलत किया गया, मैं उस की जिम्मेदारी लेता हूं।तो भाजपा जो अब दंगों के नाम पर कांग्रेस को घेरने की कोशिश कर रही है, वो भी नाकाम हो गई। वैसे भी रामलीला मैदान की महारैली अकेले कांग्रेस की नहीं थी, इंडिया ब्लॉक और कई सामाजिक व छात्र संगठनों की मिली–जुली अभिव्यक्ति थी, जिसका निचोड़ यही था कि एसआईआर को हर हाल में रोका जाए। ज्ञानेश कुमार तत्काल



मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा दें और जितने भी गलत और आपराधिक काम उनसे हुए हैं, उनके लिए कानूनी कार्रवाई का सामना करें। सबसे बड़ा संदेश नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के लिए था कि वोट चोरी करके सत्ता पर बने रहने का यह खेल अब जनता और नहीं होने देगी। जितनी बड़ी संख्या में लोग दिल्ली की इस रैली में जुटे थे, वह अकल्पनीय और अप्रत्याशित थी। इसलिए क्योंकि हाल ही में जितने विरोध प्रदर्शन दिल्ली में हुए, उनमें शामिल लोगों को दिल्ली पुलिस की ज्यादतियों का सामना करना पड़ा। अदालतों के चक्कर लगवाने पड़े। शारीरिक और मानसिक प्रताड़नाओं से आम लोगों को गुजरना पड़ा। ऐसे में लोगों के मन में डर बैठ जाता है और वे अपने हक के लिए आवाज नहीं उठाते। भाजपा को यही खुशफहमी थी कि लोग डर के मारे ही रैली में नहीं आएंगे। लेकिन लोगों ने डर को नकारते हुए अपने वोट के अधिकार को बचाने के लिए जोरदार आवाज उठाई।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सरकारी आवास के बगीचे में मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया था, जिसमें विपक्ष के तमाम नेता और नागरिक संगठनों के लोग सांसदों की तरह बैठे। इस संसद की अध्यक्षता लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने की। जिस तरह से पूरा सत्र संचालित हुआ, उसे देखकर लोगों को वही पुराने अच्छे दिन याद आए, जब कांग्रेस सत्ता में थी और संसद सत्र गरिमा के साथ संचालित होते थे। बहरहाल, इस मॉक यानी कृत्रिम संसद में भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पारित हुआ। भाजपा ने इसमें भी कांग्रेस को दोषी ठहराने के लिए कहा कि वह संसद का मजाक बना रही है, मॉक पार्लियामेंट आयोजित कर रही है। लेकिन भाजपा को शब्दकोष पढ़ना चाहिए क्योंकि मॉक का मतलब क्रिया रूप में मजाक उड़ाना होता है, लेकिन विशेषण के तौर पर इसे बनावटी या कृत्रिम के अर्थ में देखा जाता है। जैसे मॉक टेस्ट या मॉक ड्रिल होती है, वैसे ही मॉक पार्लियामेंट भी होती है।राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि हमें मजबूरन एक बगीचे में यह संसद लगानी पड़ी क्योंकि बाकी सारे दरवाजे बंद हो गए। तो फ्रांसीसी क्रांति के पहले का वह वाकया याद आ गया जब लुई सोलहवें ने संसद के दरवाजे आम जनता के प्रतिनिधियों के लिए बंद करवा दिए थे, तो उन्होंने वहीं टेनिस कोर्ट में 20 जून 1789 को इकट्ठा होकर शपथ ली थी कि जब तक फ्रांस का नया संविधान तैयार नहीं हो जाता और देश में एक संवैधानिक व्यवस्था लागू नहीं हो जाती, तब तक यह सभा भंग नहीं होगी और वे सब एक साथ डटे रहेंगे।

दीपोत्सव पर अयोध्या में बदलेगा यातायात का रूट, छह नवंबर की रात से लागू होगा डायवर्जन

अयोध्या।सात नवंबर को आयोजित होने वाले दसवें दीपोत्सव को भव्य, दिव्य और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने यातायात का विस्तृत खाका तैयार किया है।दीपोत्सव में देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं, वीवीआईपी और विशिष्ट अतिथियों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए अयोध्या में बाहर और अंदर रुट डायवर्जन किया गया है।जो छह नवंबर की मध्यरात्रि से आठ नवंबर को कार्यक्रम समाप्ति तक बाहरी डायवर्जन प्रभावी रहेगा।वहीं सात नवंबर को सुबह सात बजे से अंदर डायवर्जन लागू होगा, जो कार्यक्रम समाप्ति तक जारी रहेगा।यातायात विभाग के मुताबिक यातायात योजना के अनुसार गोंडा, बस्ती, बहराइच, लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, अंबेडकरनगर और अन्य जनपदों से अयोध्या आने वाले वाहनों के लिए अलग–अलग वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।गोंडा और बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर, नवाबगंज और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जाएगा।वही लखनऊ की ओर से आने वाले वाहनों के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे और निर्धारित डायवर्जन मार्गों का इस्तेमाल कराया जाएगा।इसी तरह सुल्तानपुर, अमेठी और अंबेडकरनगर की ओर से आने वाले वाहनों को भी निर्धारित मार्गों से निकाला जाएगा।यातायात विभाग के मुताबिक रामनगरी के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर वाहनों का आवागमन नियंत्रित रहेगा।लक्ष्मणकुंड, साकेत पेट्रोल पंप, बेकुंड धाम, हनुमानगढ़ी चौराहा, रामपथ, दीनबंधु नेत्र चिकित्सालय, परिक्रमा मार्ग, विद्याकुंड बैरियर, उदया चौराहा, रानोपाली तिराहा, टेढ़ी बाजार, घुड़सवार चौराहा, पोस्ट ऑफिस तिराहा और राजघाट बंधा बैरियर सहित 14 स्थानों पर यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेगा।इन मार्गों पर सामान्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।जबकि दीपोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं और आमजन के वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कराया जाएगा।इसके लिए साकेत पेट्रोल पंप, हनुमानगढ़ी बैरियर, कचहरी क्षेत्र, बेनीगंज, गुप्तारघाट मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर अलग–अलग श्रेणियों की पार्किंग व्यवस्था की गई है।गोंडा, बस्ती और अन्य जनपदों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं।वहीं वीवीआईपी, वीआईपी और विशिष्ट अतिथियों के वाहनों के लिए पास के आधार पर पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों, मीडिया बंधुओं और सहयोगी संस्थाओं के वाहनों को भी निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा कराया जाएगा।यातायात विभाग ने बताया कि डायवर्जन के दौरान एंबुलेंस, फायर सर्विस, पुलिस, आवश्यक सेवाओं और आपातकालीन वाहनों के आवागमन में बाधा नहीं आने दी जाए।साथ ही प्रमुख डायवर्जन बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरों, वायरलेस संचार व्यवस्था और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से निगरानी की जाएगी।

वीका से सीखी मशीन लर्निंग की तकनीक

जौनपुर।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के छठवें व्याख्यान का आयोजन किया गया। "आँकड़ों के समूह से मशीन लर्निंग तक रू वीका सॉफ्टवेयर के माध्यम से" विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में 88 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।मुख्य विशेषज्ञ डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को वीका सॉफ्टवेयर के माध्यम से आँकड़ों का विश्लेषण कर मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने आँकड़ों के चयन, अन्वेषण, चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण, परिष्करण एवं पूर्व–प्रसंस्करण से लेकर उपयुक्त कलन विधि के चयन तक की जानकारी दी।इस व्याख्यान से विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग की व्यावहारिक कार्यप्रणाली समझने और सैद्धांतिक ज्ञान को प्रयोगात्मक रूप में लागू करने का अवसर मिला। संचालन में आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, पुर्नेंद्र कुमार, प्रवीण कुमार पाण्डेय, दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

समय से बीज खाद की उपलब्धता करायें – डीएम

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में रबी अभियान की तैयारियों एवं रणनीतियों के संबंध में कृषि एवं संबंधित विभागों की हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि रबी सीजन के पहले किसानों की समस्याओं के संबंध में तैयारी बैठकर होती रहती है किसानों को समय से बीज खाद एवं कृषि रक्षा रसायनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर वितरण कराया जाए पहले रणनीति तैयार कर समय से उपलब्धता करना जिससे प्राप्त अच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता प्राप्त की जा सके। उन्होंने क्रय केंद्रों के माध्यम से धान खरीद के विषय में बताया कि जनपद में कुल 161 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं किसान भाई अपनी धान की फसल बिक्री कर एमएसपी का लाभ प्राप्त कर सकते हैं कहीं भी कोई शिकायत हो तो किसान निर्भय होकर के अवगत कराये। मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह ने उप कृषि निदेशक को निर्देशित करते हुए कहा की बीजों एवं उर्वरकों की दुकानों के नियमित निगरानी करते हुए गुणवत्ता युक्त एवं सत्यापित बीजों एवं गुणवत्ता युक्त फर्टिलाइजर तथा कृषि रक्षा रसायनों की समय से उपलब्धता सुनिश्चित कराए, ताकि शासन से जो लक्ष्य प्राप्त हुए हैं उसको हमारे किसान भाई प्राप्त कर सकें। उप कृषि निदेशक डॉ0 अश्वनी कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा, भूमि संरक्षण अधिकारी कमलजीत सिंह, उप परियोजना निदेशक आत्मा डॉ रमेश चंद्र यादव सहित कृषि एवं संबंधित विभागों के संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों के स्टार्टअप प्रस्तावों को देखा

जौनपुर। रज्जू भैया विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने नवाचार आधारित स्टार्टअप प्रस्ताव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के पूर्व छात्र अभिषेक दुबे जिन्होंने अपना पहला स्टार्ट अप आइडिया पूर्वांचल के इनक्यूबेशन केंद्र से प्रेरित होकर विकसित किया था तथा बायोटेक्नोलॉजी के शेखर आनंद के स्टार्टअप प्रस्तावों की उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने समीक्षा की। राज्यपाल ने दोनों विद्यार्थियों से उनके स्टार्टअप आइडिया, प्रस्तावों और उनकी कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से बातचीत की। उन्होंने विद्यार्थियों के नवाचार संबंधी विचारों को जाना और उनके प्रस्तावों पर चर्चा की। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने भी विद्यार्थियों के स्टॉल का अवलोकन किया।

प्रयोगशाला में उगाया ऑयस्टर मशरूम, अब बिस्कुट और नमकीन बनाने की तैयारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों ने कृषि क्षेत्र में नवाचार की पहल करते हुए प्रयोगशाला में ऑयस्टर मशरूम का उत्पादन किया है। विद्यार्थियों ने बुधवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात कर स्वयं उत्पादित ताजा मशरूम भेंट किया। अब विद्यार्थी मशरूम से बिस्कुट, नमकीन और समोसा जैसे खाद्य उत्पाद तैयार करने की दिशा में प्रयोग करने की तैयारी कर रहे हैं। मशरूम उत्पादन विश्वविद्यालय परिसर स्थित महर्षि पराशर कृषि विज्ञान संस्थान की प्रयोगशाला में किया गया। इसके लिए प्ल्यूरोटस सजोर–काजू और प्ल्यूरोटस फ्लोरिडा प्रजातियों के कुल 63 बैग तैयार किए गए। स्पॉनिंग के लगभग 25 दिन बाद पहली बार मशरूम की हार्वेस्टिंग की गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने कुलपति को मशरूम उत्पादन की प्रक्रिया, अपनाई गई तकनीक और अपने व्यावहारिक अनुभवों की जानकारी दी। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि कृषि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रयोग और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से सीखने के अवसर मिलने चाहिए। इस तरह की पहल उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और उद्यमशीलता की भावना विकसित करती है। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन स्वरोजगार और उद्यमिता की दृष्टि से बेहतर विकल्प है। कम स्थान और अपेक्षाकृत कम संसाधनों में भी इसका उत्पादन किया जा सकता है। विद्यार्थियों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाते हुए नए अवसर तलाशने चाहिए। डॉ. शुभम सिंह ने बताया कि मौसम के अनुसार वर्षभर मशरूम की विभिन्न प्रजातियों का उत्पादन किया जा सकता है। सर्दियों में बटन और ऑयस्टर तथा गर्मियों में मिल्की और पैडी स्ट्रॉ मशरूम का उत्पादन उपयुक्त है। मशरूम कम कैलरी वाला तथा प्रोटीन और फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ है। इसमें विटामिन बी–2, बी–3 और बी–5 के साथ पोटैशियम, सेलेनियम और जिंक जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इस अवसर पर संस्थान के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्रा, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. जेपी सिंह, डॉ. हरिवंश सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार यादव, डॉ. सत्यम प्रजापति एवं डॉ. विपिन उपस्थित रहे।

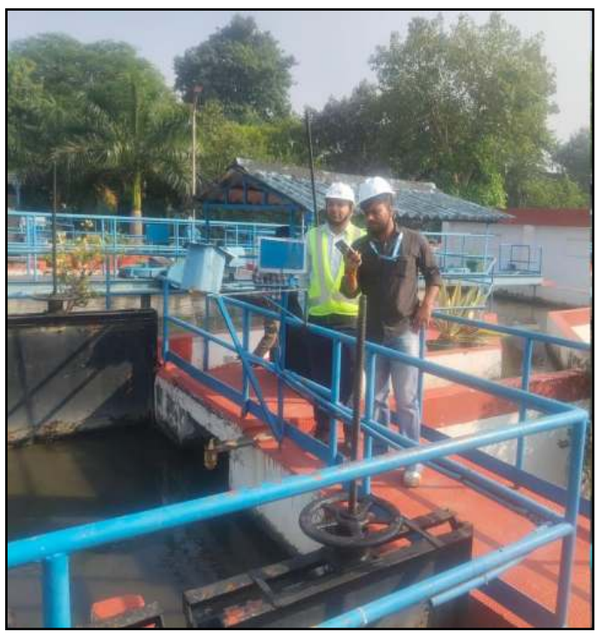
श्रीराम का विलाप देख दर्शकों की आंखें हुईं नम, संजीवनी लेकर लौटे हनुमान तो गूंजे जयकारे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। सिरकोनी ब्लॉक के कचगांव क्षेत्र स्थित सलखापुर गांव में ऐतिहासिक मौनी बाबा रामलीला समिति के तत्वावधान में आयोजित रामलीला के अंतिम दिन मंगलवार रात लक्ष्मण शक्ति, कुंभकरण वध, मेघनाथ वध और अहिरावण युद्ध का भावपूर्ण मंचन किया गया। रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शकों की भीड़ उमड़ी। लक्ष्मण शक्ति के प्रसंग में भगवान श्रीराम का विलाप देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी सुरेंद्र सिंह सेठ और पूर्व प्रधान रणंजय सिंह संजय ने फीता काटकर किया। इसके बाद प्रबंधक संत प्रसाद सिंह और ग्राम प्रधान प्रमोद कुमार गौतम ने भगवान श्रीराम और माता जानकी की आरती उतारी। मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह सेठ ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। तभी रामलीला के आयोजन की सार्थकता सिद्ध होगी। इस अवसर पर पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव का समिति के सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस समिति से उनके परिवार का पुराना जुड़ाव रहा है। समिति की ओर से मिला सम्मान उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों का पालन करते हुए जीवन व्यतीत करना ही सच्चे अर्थों में धर्म का पालन है। मंचन के दौरान मेघनाथ के शक्ति बाण से लक्ष्मण के मूर्छित होने पर रामादल में शोक छा गया। भगवान श्रीराम ने हनुमान को वैद्य सुषेण के निर्देश पर द्रोणागिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लाने के लिए भेजा। लक्ष्मण की मूर्छा और श्रीराम का विलाप देखकर दर्शक भावुक हो उठे। हनुमान संजीवनी बूटी लेकर लौटे और वैद्य सुषेण के उपचार से लक्ष्मण को होश आया तो रामादल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। राम की भूमिका अक्षत श्रीवास्तव, लक्ष्मण की रौनक, हनुमान की साहिल, मेघनाथ की पुष्पेंद्र सिंह मोनू, कुंभकरण की सतीश सिंह बब्बू, अंगद की विशाल और रावण की भूमिका भोला सिंह ने निभाई। संचालन राजकमल सिंह ने किया। इस दौरान निर्देशक धुरंधर सिंह, कोषाध्यक्ष ध्रुव प्रकाश सिंह, अध्यक्ष एवं पूर्व एडीओ यदुनाथ यादव, उपाध्यक्ष प्रवीण सिंह सोनू, दीनदयाल सिंह , विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक, पत्रकार,सहित समिति के सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे। यह जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने दी।

अमृत 2.0 के तहत 56 एमएलडी दौलतगंज एसटीपी का निरीक्षण करने पहुंची QCI की टीम



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अमृत 2.0 के तहत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की कार्यक्षमता और संचालन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम ने लखनऊ स्थित 56 एमएलडी दौलतगंज सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का दौरा किया। इस दौरान सुएज इंडिया की ऑपरेशनल टीम की मौजूदगी में प्लांट की संचालन व्यवस्था, सीवेज ट्रीटमेंट प्रक्रिया और उपचारित पानी की गुणवत्ता से जुड़े विभिन्न पहलुओं का निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि एसटीपी निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रभावी ढंग से संचालित हो रहा है या नहीं। मूल्यांकन के दौरान प्लांट की वास्तविक ट्रीटमेंट क्षमता, इनलेट और आउटलेट की स्थिति, पानी की गुणवत्ता, मशीनरी का संचालन, ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम और स्लज प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान दिया गया। अमृत 2.0 के अंतर्गत जल संरक्षण, सीवरेज प्रबंधन और उपचारित जल के पुनः उपयोग को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसे में एसटीपी का मूल्यांकन यह समझने में मदद करता है कि प्लांट में उपचारित पानी निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरा उतर रहा है या नहीं तथा उसका पुनः उपयोग किन कार्यों में किया जा सकता है। जल ही अमृत पहल के तहत एसटीपी के प्रदर्शन के आधार पर स्टार रेटिंग और पात्रता के अनुसार प्रोत्साहन की व्यवस्था भी की गई है। सुएज इंडिया की टीम द्वारा दौलतगंज एसटीपी के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी के तहत प्लांट की नियमित कार्यप्रणाली, तकनीकी व्यवस्था और उपचार प्रक्रिया को प्रभावी बनाए रखने पर काम किया जाता है। फब का यह दौरा प्लांट के प्रदर्शन का स्वतंत्र आकलन करने और सीवेज ट्रीटमेंट की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

डॉ. अनुराधा त्रिपाठी ने खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय



लखनऊ।चरक इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में दो दिवसीय अंतःमहाविद्यालयी वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2026 का प्रथम दिवस उत्साह, उमंग एवं खेल भावना के साथ आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम. एवं एल.एल.बी. के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान चरक इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की प्राचार्या डॉ. अनुराधा त्रिपाठी एवं चरक कॉलेज ऑफ लॉ के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, सहयोग एवं आत्मविश्वास जैसे गुणों का भी विकास करते हैं। दोनों प्राचार्यों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस कबड्डी, खो–खो एवं बैडमिंटन जैसी विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समस्त खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन संस्थान के खेल संचालक डॉ. करन विश्नोई के कुशल निर्देशन एवं अनुशासन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. विभाग की विभागाध्यक्ष आकांक्षा अवस्थी ने किया स आयोजन को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने में संस्थान के सभी विभागों के शिक्षकों ने समर्पित भाव से सक्रिय सहभागिता एवं महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का प्रथम दिवस विद्यार्थियों के उत्साह, प्रतिस्पर्धात्मक भावना एवं सामूहिक सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ–साथ उनमें खेलों के प्रति रुचि, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करना है।

भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश सदस्य मनोनीत हुए बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव को भारतीय जनता पार्टी के शिक्षक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश का प्रदेश सदस्य मनोनीत किया गया है। इस मनोनयन से शिक्षा जगत और उनके शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। पार्टी की ओर से नई जिम्मेदारी मिलने पर कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों ने उनका माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने एक छोटे और साधारण कार्यकर्ता पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने के साथ शिक्षक समाज की आवाज को मजबूती देना उनकी प्राथमिकता होगी। शिक्षकों की समस्याओं, अपेक्षाओं और हितों को संगठन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाकर उनके समाधान के लिए शासन–प्रशासन और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के स्तर पर हरसंभव प्रयास करेंगे। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि वह इस जिम्मेदारी को पद नहीं, बल्कि संगठन और शिक्षक समाज की सेवा का अवसर मानते हैं। कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों के स्वागत से अभिभूत प्रधानाचार्य ने कहा कि कॉलेज के विकास के साथ ही जनपद और देश के विकास में भी अपनी भूमिका निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि संगठन की ओर से सौंपे गए दायित्वों का पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे।

जौनपुर में 3,677 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे नितिन गडकरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पांच नवंबर को जौनपुर के दौरे पर आएंगे। वह मुंगराबादशाहपुर स्थित सार्वजनिक इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 3,677 करोड़ रुपये की विभिन्न सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास, भूमि पूजन और लोकार्पण करेंगे। उनके आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केंद्रीय मंत्री सुबह 11:15 बजे सार्वजनिक डिग्री कॉलेज परिसर में बने हेलीपैड पर पहुंचेंगे। इसके बाद आयोजित कार्यक्रम में दो बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास, तीन परियोजनाओं का भूमि पूजन और तीन परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम के बाद वह दोपहर 1:15 बजे रवाना हो जाएंगे। गडकरी 198 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले चार किलोमीटर लंबे मुंगराबादशाहपुर बाइपास तथा एनएच–128ए पर लता मंगेशकर तिराहे से प्रसाद इंस्टीट्यूट तक 33 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 4.7 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग का शिलान्यास करेंगे। वहीं, एनएच–135ए पर सई नदी पर 16 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पुल, 128 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 12 किलोमीटर लंबे जौनपुर बाइपास तथा मड़ियाहूं कस्बे में 92 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 1.5 किलोमीटर लंबे रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का भूमि पूजन करेंगे। इसके अलावा 627 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मछलीशहर–भदोही टूलेन मार्ग, 1,078 करोड़ रुपये की लागत से एनएच–30 के रायबरेली–प्रयागराज खंड पर जगतपुर, बाबूगंज, ऊंचाहार और अलापुर बाइपास सहित सई नदी पुल के फोरलेन बाइपास तथा 1,505 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित रायबरेली–प्रयागराज लिंक रोड का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम के लिए वाटरप्रूफ पंडाल तैयार कराया जा रहा है। मंच पर 25 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है, जबकि सामने लगभग 10 हजार लोगों के बैठने की क्षमता वाला पंडाल बनाया जा रहा है। उधर, मुंगराबादशाहपुर बाइपास निर्माण के लिए कोदहूं, गौरैयाडीह और भैरोपुर गांव के करीब साढ़े तीन सौ काश्तकारों की भूमि अधिग्रहीत की गई है। हालांकि, राजस्व अभिलेखों में त्रुटियों के चलते सैकड़ों किसानों को अब तक भूमि अधिग्रहण का मुआवजा नहीं मिल सका है।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान शुरू

जौनपुर। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत अब पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए कोषागार कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी। पेंशनर्स अपने मोबाइल फोन में आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करके घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते है। इसके अतिरिक्त अपने घर के नजदीकी पोस्ट ऑफिसध्जन सुविधा केन्द्र अथवा साइबर कैफे से भी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र प्रेषित कर सकते है। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र प्रेषित कर दिये जाने के पश्चात किसी भी पेंशनरध्पारिवारिक पेंशनर को कोषागार में आने की आवश्यकता नही है। पेंशनर्स की सुविधा के लिये इस कार्य हेतु कोषागार कार्यालय में पोस्ट आफिस कार्मिको द्वारा हेल्प डेस्क भी स्थापित की गयी है। मोबाइल एप से करने की प्रक्रिया निम्नवत हैः– ओपेन जीवन प्रमाण पत्र, आधार नम्बर एवं मोबाइल नम्बर सबमिट करने के बाद ओ0टी0पी0 सबमिट करना, पेंशनर का नाम टाइप ऑफ पेंशन में सर्विस या फैमिली, सेंक्शन एथारटि में स्टेट गर्वनमेन्ट उ0प्र0, डिस्बर्शिंग एजेन्सी उ0प्र0 ट्रेजरी सब ट्रेजरी, ट्रेजरी एजेन्सी में जौनपुर, पी0पी0ओ0 नम्बर, बैंक एकाउन्ट नम्बर, आई0एफ0सी0कोड सबमिट करने पर फेस स्कैन करना होगा। सभी पेंशनर्स जो अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जनसेवा केन्द्रध्नजदीकी पोस्ट आफिसध्साइबर कैफे अथवा मोबाइल एप से प्रेषित करा रहे है, वे अपना जीवन प्रमाण आई0डी0 अपने पास रखें, जिससे जीवन प्रमाण पत्र के सबमिट होनेध्जेक्ट होने की पुष्टि की जा सके। पुनः सभी पेंशनरोंध्पारिवारिक पेंशनरों से अपील की जाती है ।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जिला स्तरीय प्रतियोगिता



(डॉक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिले के प्रतिष्ठित संस्थान जे.बी.एकेडमी, अयोध्या के प्रांगण में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ किया गया।प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न शासकीय एवं मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों से आए लगभग 250 बाल वैज्ञानिकों ने पूरे जोश के साथ प्रतिभाग किया और अपनी वैज्ञानिक जिज्ञासा व नवोन्मेषी प्रोजेक्ट्स का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि बीएसए लाल चंद्र द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता व आयोजन जे.बी. एकेडमी की प्रधानाचार्या डॉ. दिव्या शुक्ला ने निभाई।कार्यक्रम की शैक्षणिक समन्वयक का दायित्व डॉ. अंजलि खरे ने सँभाला।राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जिला समन्वयक – राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस – डॉ. अंबिकेश त्रिपाठी ने संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल, अनुशासित एवं ऊर्जावान संचालन अपने निर्देशन में संपन्न कराया।बाल वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों और प्रोजेक्ट्स के निष्पक्ष एवं गहन मूल्यांकन के लिए एक प्रतिष्ठित जिला शैक्षणिक समिति (निर्णायक मंडल) का गठन किया गया था।इस निर्णायक मंडल में डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रबुद्ध शिक्षाविद् प्रो. आर.के. तिवारी, प्रो. जी.आर. मिश्रा, डॉ. विभा तिवारी एवं डॉ. गया प्रसाद तिवारीय एन.डी. यूनिवर्सिटी कुमारगंज के प्रो. एस. आर. मिश्रा – विभागाध्यक्ष मौसम विज्ञान विभाग के.एस. साकेत पी.जी. कॉलेज के डॉ. राजेश वर्मा, डॉ. अनूप पांडेय, डॉ. एस.एन. तिवारी, डॉ. गौरव मिश्रा, डॉ. अविनाश तिवारी एवं डॉ. सूरज प्रसाद डायट अयोध्या महेंद्र वर्मा तथा जे.बी. एकेडमी डॉ. अंजलि खरे ने अपनी अमूल्य उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।इस वृहद और सफल आयोजन में जनपद के विभिन्न ब्लॉकों के एआरपी,ब्लॉक नोडल शिक्षकों तथा मार्गदर्शक शिक्षक की सक्रिय और प्रेरणादायी सहभागिता रही, जिनके सहयोग से छात्र–छात्राओं को अपने प्रोजेक्ट्स को इस स्तर तक पहुँचाने का अवसर मिला।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने बच्चों की वैज्ञानिक सोच की मुक्तकंठ से प्रशंसा की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ दीं।इस प्रतियोगिता से प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता के लिए जजों द्वारा मूल्यांकन के उपरान्त 14 बच्चों का चयन किया गया,जिसमें पी एम श्री स्कूल अंगूरी बाग नगर से रौनक कुमार, कंपोजिट स्कूल पूरे छवि लाल अमानी गंज से भीम राव , जे बी अकेडमी से अक्षिता सक्सेना , पी एम श्री मुमताज नगर मसौधा से अमृत , एल एस डी पी स्कूल रुदौली से सृष्टि , जे बी अकेडमी से जैस्मीन सिंह , एल एस डी पी स्कूल रुदौली से माज यासीन खान , जे बी अकेडमी से परिधि हसानी, भवदीय पब्लिक स्कूल से प्रांजल तिवारी , जे बी अकेडमी से तान्या त्रिपाठी , एस एस वी इंटर कॉलेज से सूर्यांश तिवारी , उच्च प्राथमिक विद्यालय बवा अमानीगंज से शिवानी , सनबीम अयोध्या से सुची त्रिपाठी और उच्च प्राथमिक विद्यालय कछौली पूरा से गौरी पांडेय चयनित हुईं।

बाजार में सजी मिट्टी के दीपकों और खिलौनों की दुकानें, पर कुम्हारों की चिंता बरकरार

अयोध्या।दीपावली में अब चंद दिन शेष हैं।सात नवंबर को राम की पैड़ी पर आयोजित होने वाले भव्य दीपोत्सव की तैयारियों को पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, बिजली विभाग और पुलिस समेत अन्य विभाग अंतिम रूप देने में जुटे हैं।वहीं, दीपावली को लेकर शहर के बाजारों में भी रौनक बढ़ने लगी है। सिविल लाइन, देवकाली, वजीरगंज समेत प्रमुख चौराहों पर मिट्टी के दीपक, खिलौने और पूजन सामग्री की दुकानें सजने लगी हैं।छोटी दीपावली शनिवार और बड़ी दीपावली रविवार को होने के चलते दुकानदारों ने अभी से अपनी दुकानें लगानी शुरू कर दी हैं।हालांकि बाजार में रौनक के बीच मिट्टी के पारंपरिक उत्पाद तैयार करने वाले कारीगरों की चिंता भी साफ दिखाई दे रही है।उनका कहना है कि चाइनीज झालरों, प्लास्टिक के दीयों और आधुनिक सजावटी सामानों के बढ़ते चलन ने मिट्टी से बने दीपकों और खिलौनों



की मांग को प्रभावित किया है।इस मौके पर दुकानदारों ने बताया कि मिट्टी के सामान तैयार करने में काफी मेहनत और लागत लगती है,लेकिन बिक्री के दौरान उचित कीमत नहीं मिल पाती। कई बार लागत निकालना भी मुश्किल हो जाता है।इसके बावजूद दीपावली पर अच्छी बिक्री की उम्मीद में कुम्हार और छोटे दुकानदार शहर के प्रमुख चौराहों पर दुकानें सजा रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि लोग एक बार फिर स्वदेशी और पारंपरिक मिट्टी के दीपकों को प्राथमिकता देंगे।

दीपोत्सव की कवरेज के लिए मीडिया एडवाइजरी जारी, धर्मपथ पर बनेगा मीडिया सेंटर

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रामनगरी में 05 से 07 नवंबर तक आयोजित होने वाले भव्य दीपोत्सव–2026 को लेकर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने मीडिया एडवाइजरी जारी की है। दीपोत्सव का मुख्य आयोजन 07 नवंबर को होगा। कार्यक्रम के दौरान देश–विदेश से आने वाले विशिष्ट अतिथियों,जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी को देखते हुए मीडिया कवरेज के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं।सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से जिला प्रशासन के समन्वय से मीडिया प्रतिनिधियों के प्रवेश,आवागमन, कवरेज, जलपान, लंच, फोटो एवं वीडियो कवरेज तथा सोशल मीडिया प्रचार–प्रसार की व्यवस्था की गई है। इसके लिए विभिन्न कार्यक्रम स्थलों पर नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है।शोभायात्रा के प्रारंभ स्थल साकेत महाविद्यालय पर सतीश चन्द्र भारती और जिला सूचना अधिकारी अनुराग रंजन को जिम्मेदारी सौंपी गई है।हेलीपैड पर अनुराग प्रसाद और प्रवीण मालवीय, रामकथा पार्क एवं मंच पर आत्रेय मिश्रा और अमित शुक्ला, नया घाट एवं सरयू आरती स्थल पर महेंद्र कुमार और आशीष सिंह तथा राम की पैड़ी पर लाल कमल और मयंक तिवारी मीडिया समन्वय का कार्य संभालेंगे।मीडिया प्रतिनिधियों के लखनऊ से अयोध्या आने–जाने की व्यवस्था के लिए चंद्र विजय वर्मा और आनंद सिंह को नामित किया गया है।वहीं जलपान एवं भोजन व्यवस्था का समन्वय अमित यादव और आनंद मिश्रा करेंगे।फोटो, फिल्म, सोशल मीडिया और यूट्यूब कवरेज के लिए भी विशेष टीमें तैनात रहेंगी, जो कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन उपलब्ध कराने के साथ रियल टाइम प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करेंगी।मीडिया कर्मियों की सुविधा के लिए धर्मपथ स्थित हनुमान गुफा के सामने नगर निगम पार्किंग ग्राउंड में अस्थायी मीडिया सेंटर बनाया गया है।यहां कंप्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट और स्टेशनरी सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। मीडिया वाहनों की पार्किंग के लिए फटिक शिला स्थल निर्धारित किया गया है।विभाग ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों से निर्धारित प्रवेश पास, सुरक्षा व्यवस्था, मीडिया जोन और पार्किंग संबंधी दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की है, ताकि दीपोत्सव के सभी कार्यक्रमों की कवरेज सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से हो सके।

सरदार पटेल की जयंती पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने पुलिस कर्मियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर महिला थाना जनपद अयोध्या में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर महिला थाना परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।कार्यक्रम में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने थाना पर नियुक्त समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति में सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया।उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से देश की विभिन्न रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।कहा कि जीवन देश



की एकता, अखंडता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है।इस दौरान सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र की एकता,अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने तथा देशवासियों के बीच एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के माध्यम से सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करने और समाज में राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संदेश दिया गया।इस मौके पर महिला उप निरीक्षक प्रिया, उप निरीक्षक संजीव मिश्रा सहित अन्य पुलिस कर्मीशामिल रहे।

पिरखौली गौशाला के गोबर से बने 5100 दीपकों से रोशन होगी अयोध्या

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।गौसेवा को पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में रमेश सिंह सेवा संस्थान ने अनूठी पहल की है। पिरखौली स्थित अस्थायी गौआश्रय स्थल में संरक्षित गोवंश के गोबर से तैयार 5100 दीपक इस बार अयोध्या के दीपोत्सव की शोभा बढ़ाएंगे। संस्थान की ओर से तैयार इन दीपकों को मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह को भेंट किया गया।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने गौशाला में किए जा रहे नवाचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि गोबर जैसे प्राकृतिक संसाधन का सदुपयोग कर पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार करना सराहनीय प्रयास है। इससे जहां स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा, वहीं गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी मदद मिलेगी।गौशाला संचालक उत्तम सिंह ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य निराश्रित गोवंश के संरक्षण के साथ गौशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इसी सोच के तहत गौशाला में गोबर से दीपक समेत विभिन्न उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इससे गौशालाओं में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग होने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाएं भी विकसित होंगी। उन्होंने बताया कि संस्थान ने आगामी वर्ष प्रदेशभर में संचालित अपनी गौशालाओं के माध्यम से एक लाख गोबर निर्मित दीपक दान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस पहल को व्यापक स्वरूप देकर अयोध्या की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तम सिंह ने कहा कि गोबर महज अपशिष्ट पदार्थ नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने का महत्वपूर्ण संसाधन है। इसके विभिन्न उत्पाद तैयार कर गौशालाओं की आय के नए स्रोत विकसित किए जा सकते हैं।संस्थान की यह पहल दीपोत्सव में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ गौसंरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर गौशालाओं के संकल्प को भी नई पहचान देगी।

जिले की 108 व 102 एंबुलेंस कर्मचारियों को बेहतर सेवाओं के लिए लखनऊमें मिला सम्मान

ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सेर्विसेज की ओर से लखनऊ में आयोजित वार्षिक समारोह में कर्मचारियों का हुआ सम्मान



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों के लिए जीवनरक्षक बनकर आने वाले 108, 102 एम्बुलेंस सेवाओं के कर्मचारियों को मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।अंबेडकर नगर में में तैनात आलोक नाथ तिवारी, पायलट अरविंद कुमार, गोंडा में कार्यरत ईएमटी राजेश कुमार शर्मा व पायलट शिवकुमार को एंबुलेंस सेवा प्रदाता संस्थ्या ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की ओर से आयोजित समारोह में स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और चेक देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन,एम्बुलेंस पायलट, एचबीई,इमरजेंसी रिस्पांस ऑफिसर सहित अन्य कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में 108, 102 व 1962 सेवाओं का संचालन ईएमआरआई ग्रीन सर्विसेज द्वारा किया जा रहा है एवं लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।इस मौके पर संस्था के प्रेसिडेंट टीवीएसके रेड्डी ने कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ईएमआरआई का मूल सिद्धांत ष्मानव सेवा ही माधव सेवाष है। इसका अर्थ है कि निस्वार्थ भाव से मनुष्य की सेवा करना ही वास्तव में ईश्वर की सेवा है, और संस्था इसी मार्ग का अनुसरण करती है।उन्होंने कहा कि संस्थ्या ने उत्तर प्रदेश में वर्ष 2012 में सेवाएं शुरू की गई थीं। हम राज्य्य सरकार के सहायोग से निरंतर सेवाओं को बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं, आज संस्था को जनता से बेहद सकारात्मक फीडबैक मिल रहा है।जिसका मुख्य्य कारण कर्मचारियों द्वारा दी जा रही प्रोटोकॉल आधारित सेवाएं हैं।आप लोगों की सेवाओं का परिणाम है कि आज उत्त्तर प्रदेश में एंबुलेंस सेवाएं का रिस्प्पांस टाइम और क्व्वालिटी सर्विस के मामले सबसे बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि हमें लोगों को क्व्वालिटी सर्विसेज उपलब्ध कराने के साथ ही सुनिश्चित करना है कि हर जरूरतमंद को समय पर एंबुलेंस सेवा मिले।टीवीएसके रेड्डी ने कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं, हृदय रोगियों, सड़क दुर्घटना और आग लगने जैसी गंभीर दुर्घटनाओं के दौरान आप सभी के द्वारा बेहतर सेवाएं दी जा रही हैं। गर्भवती महिलाओं को दी जा रही विशेष सेवाओं के कारण ही प्रदेश में मातृ और शिशु मृत्यु दर में काफी कमी आई है।यह सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का ही परिणाम है।34 एम्बुलेंस से शुरू होकर बनी विश्व की सबसे बड़ी सेवा इस अवसर पर ईएमआरआई के निदेशक कृष्णम राजू ने संस्था के विस्तार और विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 2005 में यह संस्था मात्र 34 एम्बुलेंस के साथ शुरू हुई थी। वर्तमान में संस्था देश के 19 राज्यों में कार्यरत है और विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत लगभग 22,000 वाहनों का संचालन कर रही है। साथ ही प्रतिदिन 1 लाख 70 हजार से अधिक लोगों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान कर रही है, जो इसे विश्व की सबसे बड़ी एम्बुलेंस सेवा बनाती है।108 और 102 के अलावा, संस्था अब ट्रॉमा केयर, बाइक एम्बुलेंस, बोट एम्बुलेंस, नवजात शिशुओं (नियोनेटल) के लिए विशेष वाहन, कार्डियक एम्बुलेंस और 1962 एनिमल केयर एम्बुलेंस जैसी विशिष्ट सेवाएं भी सफलतापूर्वक संचालित कर रही है।इस मौके पर एचआर हेड राजकमल राय, देबज्य्योति कांजीलाल, सौरव टंडन, एसपी सिंह, विनीत जायसवाल, विकासमणि त्रिपाठी, मिथ्थलेश त्रिपाठी, आसिफ इकबाल खान, राजीव कुमार सोमबंशी, धर्मपाल सिंह सहित अन्य्य लोग मौजूद रहे।

मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल्स में 10 नवंबर को होगा पुरातन शिक्षक छात्र मिलन महाकुंभ

अयोध्या।मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल्स,जाना बाजार की ओर से 10 नवंबर को भाई दूज के अवसर पर मॉडर्न इंटर कॉलेज परिसर में पुरातन शिक्षक छात्र मिलन महाकुंभ–2026 का आयोजन किया जाएगा।सुबह 10 बजे होने वाले इस कार्यक्रम में पुरातन शिक्षकों के अलावा समाज मे विभिन्न क्षेत्रों में पहचान बना चुके विद्यालय के पूर्व छात्र शामिल होंगे।विद्यालय के सह प्रबंधक आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य पुरातन शिक्षकों छात्रों और विद्यालय के बीच आत्मीय संबंध मजबूत करना तथा पुराने अनुभवों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।बताया कि इस मौके पर पुरातन शिक्षकों के अलावा आईपीएस अधिकारी मनोज यादव, अजय यादव,शिक्षक डॉ. अंबिकेश त्रिपाठी,इंद्रदेव त्रिपाठी,अवनीश श्रीवास्तव, शुभम सिंह,प्रदीप वर्मा,व्यवसायी देवांग सिंह,विकास प्रजापति,अतुल वर्मा,रेलवे विभाग मे अजय श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान धर्मवीर वर्मा,वैज्ञानिक आशुतोष, लोकगायक शिवेंद्र त्रिपाठी, कौशलेंद्र त्रिपाठी, चिकित्सक डॉ. समीर तथा पत्रकार राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य पुरातन छात्र शामिल होंगे।बताया कि इस कार्यक्रम में पूर्व छात्र अपने विद्यार्थी जीवन की यादें और अनुभव साझा करेंगे।साथ ही साथ पुरानी और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के बदलावों पर चर्चा कर विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे।उन्होंने सभी पुरातन शिक्षकों व छात्र–छात्राओं से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की जा रही है।

'जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी 81 शिकायतें, अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोकने के दिये निर्देश'



ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' बुधवार को जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई में कुल 81 शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक शिकायत का निष्पक्षता से परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने जूम के माध्यम से उपस्थिति की जांच की। जांच के दौरान कुछ अधिकारियों के अनुपस्थित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जनसुनवाई में आमजन की शिकायतें सुनी जाएं तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनशिकायतों के निस्तारण एवं कार्यालय में उपस्थिति के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए, जिससे लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला एसओ आशा शुक्ला ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।मिशन शक्ति फेज–6.0 के तहत बुधवार को महिला थाना पुलिस की ओर से महिलाओं और बालिकाओं को जागरूकता अभियान चलाया गया।इस दौरान थाना प्रभारी एवं महिला आरक्षी वंदना यादव ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।इस अभियान के तहत विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही महिला अपराधों की जानकारी देकर किसी भी प्रकार की उत्पीड़न अथवा परेशानी होने पर चुप न रहने और तत्काल पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया।पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को विमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की जानकारी देते हुए इनका जरूरत पड़ने पर उपयोग करने की अपील की।



'अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की संगठनात्मक बैठक संपन्न'



'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहाँपुर' अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संगठनात्मक बैठक प्रताप इन्क्लेव स्थित महासभा के मुख्य संरक्षक व प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट संजय सक्सेना के निजी आवास पर संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के माननीय प्रदेश महामंत्री श्याम चन्द्र श्र

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।